सशक्तीकरण

महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यूपीसीडा की पहल

औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाओं के लिए विशेष सुविधाएं

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। भारत सरकार की ओर से महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए शुरू किए गए नारी शक्ति मिशन को सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने कई कदम उठाए हैं। इसका मकसद महिला सुरक्षा के साथ महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में यूपीसीडा ने ई-ऑप्शन और निवेश मित्र पोर्टलों के माध्यम से 45 औद्योगिक भूखंड महिला उद्यमियों को आवंटित किए हैं। इन भूखंडों पर स्टील फैब्रिकेशन, गारमेंट एक्सेसरीज और प्लास्टिक उत्पादन जैसे विभिन्न उद्योग स्थापित किए जाएंगे। यूपीसीडा के सीईओ मयूर महेश्वरी ने बताया कि महिलाओं के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि वे रोजगार के क्षेत्र में मजबूत प्रतिस्पर्धा कर सकें। महिलाओं के लिए सुरक्षित और सेफ इंडस्ट्री एरिया बनाने की दिशा में भी यूपीसीडा महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

सुरक्षित माहौल के लिए पहल

- यूपीसीडा के रामनगर, सिकंदराबाद और देवरिया जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में 40,000 से अधिक स्ट्रीट लाइटें लगाईं। इसके अतिरिक्त 600 से अधिक हाई-मास्ट लाइटें लगाई गई हैं, जिससे की महिलाएं सुरक्षित महसूस कर सकें। वर्ष 2021 और 2024 के बीच स्ट्रीट लाइटों की संख्या में 108% की वृद्धि हुई है।
- औद्योगिक क्षेत्रों में 52 पिंक कम्युनिटी टॉयलेट्स का निर्माण। 11 और निर्माणाधीन हैं। सलेमपुर, हाथरस और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में इन शौचालयों का निर्माण हुआ है।
- यूपीसीडा ने पिंक डोरमेट्री के विकास और विस्तार पर जोर दिया है। औद्योगिक क्षेत्र संडीला (हरदोई), कोसी कोटवान (मथुरा) और एमजी रोड (हापुड़) में पिंक डोरमेट्री का निर्माण शुरू हो गया है। यूपीसीडा और निर्भया फंड के माध्यम से प्रत्येक डोरमेट्री में 2.55 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। इससे महिला श्रमिकों को और बढ़ावा मिलेगा।
- यूपीसीडा ने अपने औद्योगिक क्षेत्रों में क्रैच (डे केयर) की सुविधा शुरू की है, ताकि महिला कर्मचारी अपने बच्चों की देखभाल की चिंता किए बिना काम कर सकें। ये सुविधा चिनहट, अलीगढ़ (सीडीएफ), सूरजपुर और सुमेरपुर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध हैं।
- महिला कर्मचारियों के लिए चिनहट (लखनऊ) और सुमेरपुर (हमीरपुर) जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में पिक एंड ड्रॉप की सुविधा।
- औद्योगिक क्षेत्रों के पास लगभग 50 पुलिस स्टेशन और पिंक बूथ बनवाए हैं, ताकि मुश्किल समय में महिलाओं को तुरंत मदद मिल सके।
- महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'प्रेरणा कैंटीन' बनाई गई हैं। यह पहल वर्तमान में परसाखेड़ा (बरेली), ईपीआईपी (गौतमबुद्धनगर) और टीडीएस सिटी (गाजियाबाद) सहित 10 जगहों पर जारी है।
- औद्योगिक क्षेत्रों में नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, जिसमें महिला कर्मचारियों को स्वास्थ्य जांच कराने और विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श मिलेगा।